कार्यालय प्राचार्य
शासकीय हमीदिया कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, भोपाल म.प्र.
Website : https://govhamidiacollege.com/ Ph.-Fax No. 0755-2660447,2660081 Email – heghaaccbho@mp.gov.in

दिनांक
06.02.23

सूचना
हिन्दी विभाग

महाविद्यालय के समस्त विद्यार्थियों को सूचित किया जाता है कि विश्व बैंक परियोजना के सहयोग से हिन्दी विभाग द्वारा **"दैनिक जीवन में लैंगिक समानता"** विषय पर श्री एस.एन.शीतल निर्देशक, नवभारत भोपाल का व्याख्यान दिनांक 08.02.2023 को अपराह्न 12:30 पर रूसा भवन में आयोजित किया जा रहा है।

सभी विद्यार्थी अनिवार्य रूप से कार्यक्रम में अपनी उपस्थिति सुनिश्चित करें।

6.2.23

डॉ. शारदा सिंह
हिंदी, विभागाध्यक्ष

Govt Hamidia Arts & Commerce College, Bhopal

डॉ. पुष्पलता चौकसे
प्राचार्य

शासकीय हमीदिया कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, भोपाल म.प्र.
Website : https://govhamidiacollege.com/ Ph.-Fax No. 0755-2660447,2660081 Email – heghaaccbho@mp.gov.in

दिनांक 08.02.2023

प्रतिवेदन

"लैंगिक विषमता खत्म होने पर, समानता अपने आप आएगी।"

शासकीय हमीदिया कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, भोपाल आंतरिक गुणवत्ता प्रकोष्ठ के अंतर्गत के **हिन्दी विभाग द्वारा 08 फरवरी 2023 को "दैनिक जीवन में लैंगिक समानता"** विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। **व्याख्यान के मुख्य वक्ता नवभारत टाइम्स के निर्देशक एस.एन.शीतल थे।**

कार्यक्रम की शुरूआत माँ सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्जवलन एवं पुष्प अर्पण से की गई। तत्पश्चात् महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. प्रभा भट्ट ने मुख्य वक्ता एस.एन.शीतल का स्वागत पुष्पगुच्छ भेंटकर किया। हिन्दी विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. शारदा सिंह ने महाविद्यालय की प्राचार्य का स्वागत पुष्पगुच्छ भेंटकर किया। स्वागत उद्बोधन में प्राचार्य डॉ. प्रभा भट्ट ने दिया। उन्होंने कहा कि समाज को लैंगिक समानता में सकारात्मक दृष्टि रखने की आवश्यकता है। विभागाध्यक्ष डॉ. शारदा सिंह ने कहा कि लैंगिक समानता के विचार को दैनंदिनी में अपनाने की जरूरत है इसके लिए युवा वर्ग को आगे आने की आवश्यकता है। मुख्य वक्ता एल.एन. शीतल ने युवाओं को आह्वान करते हुए अपना वक्तव्य प्रारंभ किया। सर्वप्रथम उन्होंने पत्रकारिता के माध्यम से समाज सेवा की बात स्पष्ट की इसके बाद लैंगिक समानता को उन्होंने वर्तमान समय का महत्वपूर्ण घटक मानकर बताया कि जन्म से ही स्त्री को उसका परिवार ही भेदभाव की दृष्टि से देखता है वर्तमान में यह स्थिति कुछ सुधरी है किंतु इस क्षेत्र में और प्रयास करने की आवश्यकता है उन्होंने कहा कि जहां मातृशक्ति को परिवार, समाज और कार्यक्षेत्र में उन्नति के अवसर दिए जा रहे है। वह लैंगिक समानता स्पष्ट दिखाई देती है। इतिहास से जुड़े कई प्रसंग पर दृष्टि डालते हुए उन्होंने वर्तमान की विसंगतियों को प्रस्तुत किया। अपने वक्तव्य में उन्होंने बाहरी लोकतंत्र एवं आंतरिक लोकतंत्र की बात रखते हुए कहा कि जब मानसिक सोच बदलेगी तभी लोकतंत्र के द्वारा बनाए गए कानून भी अधिक प्रभावी सिद्ध होगा। आगे उन्होंने साक्षरता और जागरूकता के अंतर को स्पष्ट करते हुए कहा कि आज हम केवल नौकरी प्राप्त करने के लिए ही शिक्षित हुए है जागरूक नही। लैंगिक समानता को लाने और सामाजिक विषमताओं को दूर करने के लिए शैक्षिक जागरूकता की आवश्कता है। तत्पश्चात् महाविद्यालय के छात्रों ने मुख्य वक्ता के समक्ष अपनी जिज्ञासाएं और प्रश्न रखें जिसका उन्होंने समाधान किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. शीला ठाकुर ने तथा आभार डॉ. ज्योति धनोतिया ने किया। विभाग के सभी सदस्य डॉ. रचना तैलंग, डॉ. उषा शर्मा एवं महाविद्यालय के विभिन्न विभागों के प्राध्यापकगण व लगभग 55 छात्र उपस्थित रहें।

डॉ. शारदा सिंह

Govt Hamidia College, Bhopal

09/02/23

डॉ. प्रभा भट्ट

08/02/2023